रिजर्व बैंक ने 2011 की जनगणना के आधार पर प्रकाशित की रिपोर्ट, छोटे राज्यों का प्रदर्शन बेहतर दिखा

यूपी में दो साल में प्रति व्यक्ति विकास खर्च 2159 रुपये बढ़ा

12 हजार 275 रुपये प्रति व्यक्ति विकास दर पर खर्च था 2018-19 में

एक्सक्लूसिव

■ हेमंत श्रीवास्तव

- देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्य यूपी में विकास खर्च बढ़ने के संकेत
- बड़ी आबादी उत्तर प्रदेश और बिहार के तेज गति से विकास में बन रही बाधा

14 हजार रुपये प्रति व्यक्ति सालाना विकास खर्च है दोनों राज्यों में

02 गुना बजट आकार होने से यूपी में इस स्थिति के बदलने के आसार बढ़े

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में जुटी सरकार लगातार राज्य में विकास कार्यों के बजट को बढ़ाने में जुटी है। वर्ष 2018-19 में यूपी में सरकार ने विकास व्यय के मद में कुल 2,45,018 करोड़ रुपये खर्च किए थे। उस समय प्रति व्यक्ति विकास पर खर्च 12275 रुपये था। दो वर्ष बाद 2020-21 में सरकार ने इस मद में 2.88,105 करोड़ रुपये खर्च किए जिससे प्रति व्यक्ति विकास खर्च 2159 रुपये बढ़कर 14434 रुपये हो गया।

यूपी और बिहार प्रति व्यक्ति विकास खर्च में सबसे नीचे : विकास खर्च में 2159 रुपये की वृद्धि के बावजूद देश की दूसरे सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्य उत्तर प्रदेश में लोगों के विकास पर सरकार का खर्च बिहार को छोड़ देश के सभी राज्यों से नीचे है। यूपी और बिहार दोनों राज्य ऐसे हैं जहां पर सरकारें प्रति व्यक्ति के विकास पर करीब 14 हजार रुपये सालाना मात्र खर्च कर रही हैं। हालाँकि पिछले पाँच सालों में बजट का आकार दोगुना किए जाने से खर्च में सुधार हो रहा है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 2011 की जनगणना के आधार पर यह रिपोर्ट प्रकाशित किया है। दोनों राज्यों में प्रति व्यक्ति विकास खर्च की यह राशि और कम हो जाएगी यदि इसे इन राज्यों की मौजूदा आबादी में बांट दिया जाए।

यूपी इस समय देश की दूसरे सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। इस अर्थव्यवस्था के बावजूद लोगों के विकास पर खर्च की जा रही धनराशि बहुत कम है। विकास व्यय यह बता रहा है कि विकसित राज्य बनने में यूपी और बिहार को अभी लंबा सफर तय करना है। छोटे राज्य सिक्किम, गोवा, अरुणाचल, मिजोरम, जम्मू-कश्मीर में प्रति व्यक्ति विकास खर्च बड़े राज्यों के मुकाबले बहुत अधिक है।

यूपी में प्रति व्यक्ति विकास पर खर्च 14434 रुपये

2020-21 में उत्तर प्रदेश ने विकास पर कुल 2 लाख 88 हजार 105 करोड़ खर्च किए। 2011 की जनगणना के अनुसार इस धनराशि को राज्य की आबादी में बांटने पर प्रति व्यक्ति 14434 रुपये आया। इस वर्ष राज्य सरकार ने विकास से इतर अन्य मदों में 1 लाख 74 हजार 358 रुपये खर्च किए जो कि प्रति व्यक्ति के हिसाब से 8735 रुपये है। विकास और विकासेत्तर खर्च दोनों को जोड़ने पर राज्य ने प्रति व्यक्ति 23170 रुपये मात्र खर्च किए।

उत्तराखंड में प्रति व्यक्ति पर खर्च यूपी से दोगुना

वहीं उत्तर प्रदेश से निकलकर अलग राज्य बने उत्तराखंड में प्रति व्यक्ति विकास पर खर्च यहां से दोगुना है। यहां पर विकास पर कुल खर्च 30 हजार 256 करोड़ रुपये किया गया जो कि प्रति व्यक्ति 29956 रुपये है। विकासेत्तर व्यय पर उत्तराखंड में 17 हजार 464 करोड़ रुपये खर्च किए गए जो कि प्रति व्यक्ति 17291 रुपये आ रहा है। उत्तराखंड सरकार ने विकास व विकासेत्तर मद में कुल मिलाकर प्रति व्यक्ति 47247 रुपये खर्च किए।

प्रति व्यक्ति विकास खर्च में सिक्किम सबसे आगे

बड़े राज्यों के मुकाबले छोटे राज्य प्रति व्यक्ति विकास पर अधिक धनराशि खर्च कर रहे हैं। सिक्किम इस खर्च में देश में सबसे आगे है। यहां पर प्रति व्यक्ति विकास पर खर्च 01 लाख 02 हजार 247 रुपये है। गोवा में 95 हजार 554 रुपये, अरुणांचल प्रदेश में 95 हजार 535 रुपये, जम्मू कश्मीर में 50 हजार 435 रुपये, मिजोरम में 57 हजार 043 रुपये तथा मणिपुर में प्रति व्यक्ति विकास पर खर्च 48 हजार 726 रुपये है।

बड़ी आबादी यूपी-बिहार के विकास में बाधा

लंबे अंतराल तक यूपी सरकार के बजट निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाने वाले सेवानिवृत्त अधिकारी लहरी यादव बताते हैं कि यूपी और बिहार की आबादी अधिक होने के नाते सरकारों का विकास के मद में किया गया खर्च प्रति व्यक्ति कम हो रहा है। संसाधनों की कमी के कारण ही बिहार और पूर्वांचल के लोग अब भी रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाने को मजबूर हैं। यूपी में पश्चिमी यूपी और पूर्वी यूपी के लोगों की प्रति व्यक्ति आय में बड़ा अंतर है।

बिहार में प्रति व्यक्ति खर्च 14289 रुपये

कमोवेश बिहार की स्थिति भी उत्तर प्रदेश जैसी ही है। वहाँ पर 1 लाख 48 हजार 318 रुपये विकास से जुड़े मदों में खर्च हुआ। प्रति व्यक्ति यह खर्च 14289 रुपये आया। बिहार में विकास से इतर कुल 56 हजार 402 करोड़ रुपये खर्च किया गया जो कि प्रति व्यक्ति खर्च के हिसाब से कुल 5434 रुपये है। विकास और विकासेत्तर दोनों खर्चो को जोड़कर बिहार सरकार ने 2020-21 में प्रति व्यक्ति 19723 रुपये खर्च किए।

विकास व्यय

आर्थिक व सामाजिक क्षेत्र में सरकारी खर्च इस मद में जोड़ा जाता है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी, कृषि, समाज कल्याण, महिला कल्याण व बाल विकास के काम आते हैं।

राज्यों में प्रति व्यक्ति विकास पर सालाना खर्च (रुपये में)

राज्य	धनराशि
उत्तर प्रदेश	14434
बिहार	14289
झारखंड	18600
उत्तराखंड	29956
दिल्ली	29034
हरियाणा	32149
मध्यप्रदेश	17555
राजस्थान	21199
पश्चिम बंगाल	15391
गुजरात	22261
आंध्रप्रदेश	30669

दिल्ली में प्रति व्यक्ति खर्च 29034 रुपये

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विकास पर कुल 48 हजार 777 रुपये खर्च किए गए। प्रति व्यक्ति विकास खर्च यहां पर 29034 रुपये है। विकासेत्तर मद में दिल्ली सरकार ने इस वर्ष कुल 8717 रुपये खर्च किए। प्रति व्यक्ति यह खर्च 5189 रुपये है। विकास और विकासेत्तर मद में दिल्ली सरकार ने प्रति व्यक्ति 34223 रुपये खर्च किए।

झारखंड में प्रति व्यक्ति खर्च बिहार से अधिक

बिहार से कटकर अलग राज्य बने झारखंड में इस वर्ष विकास पर कुल 61 हजार 381 करोड़ रुपये खर्च किए गए। प्रति व्यक्ति के लिहाज से यह खर्च 18600 रुपये है। विकासेत्तर मद में झारखंड ने कुल 22 हजार 229 करोड़ रुपये खर्च किए जो कि प्रति व्यक्ति 6736 रुपये हुआ। दोनों मदों को मिलाकर झारखंड में प्रति व्यक्ति विकास व विकासेत्तर मद में 25337 रुपये खर्च किया गया।

(**नोट :-** उत्तर प्रदेश सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया बुलेटिन (स्टेट फाइनेंसेज) अक्तूबर 2020 से इन आंकड़ों को लिया है। जिसमें राज्य सरकारों द्वारा दिए गए कुल तथा प्रति व्यक्ति विकास व विकासेत्तर खर्च का अनुमान 2020-21 का दिया गया है इसे हाल के बजट में राज्य के वित्त विभाग ने प्रकाशित किया है।)